वर्ष :: 34 अंक : 41
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 14 जुलाई, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

अतिक्रमणकारियों में कर्नल का आतंक

सख्ती... बीएसएल की जमीन व आवासों पर अवैध कब्जा करने वालों की आई शामत, ताबड़तोड़ तोड़-फोड़

- डी. के. वत्स -

बोकारो : आंखों में दिलेरी, कड़क आवाज। न किसी का डर, न किसी की फिक्र। वह अपनी मर्जी के मालिक हैं, फैसला ऑन द स्पॉट। जिसे मन हुआ, फटकार दिया या जिस पर तनिक भी क्रोध आया, उस पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसवा दें। काहे की पुलिस? काहे का मजिस्ट्रेट? वह अकेला ही काफी हैं। वह खुद ही कार्रवाई करते, खुद ही त्वरित सजा भी दिलाते। सिर पर टोपी और जेब मे हाथ डाले जब वह किसी के सामने खड़े होते हैं, तो अच्छे-अच्छों की हवा निकल जाती है। चाहे व कोई भी हो, छोटा या बड़ा। अदना सा दुकानदार या चार-चार मर्डर का आरोपी रह चुका शख्स हो, उनकी दमदार मौजूदगी सबकी हवा गुम कर देती है। जी हां, उस शख्स का नाम है कर्नल! कर्नल राजेन्द्र सिंह शेखावत। सेना से रिटायर्ड यह अफसर इन दिनों बीएसएल के सुरक्षा विभाग में अतिक्रमण विरोधी अभियान की कमान संभाले बैठे हैं। बतौर डीजीएम कार्यरत कर्नल शेखावत के लिए बीएसएल की जमीन सरहद की भारतभूमि और अवैध कब्जाधारी किसी पाकिस्तानी या चीनी घुसपैठिये से कम नहीं। वह अतिक्रमणकारियों पर उसी सख्ती से पेश आते हैं, जो देश के दुश्मनों के साथ एक सैनिक की होती है। यही कारण है कि शहर में अवैध कब्जाधारी उनके इस रौद्र रूप से आतंकित हैं। बीएसएल की जमीन और आवासों पर अवैध कब्जा जमाने वाले लोगों में कर्नल की सख्ती से हड़कंप है।

अतिक्रमण एक बड़ी समस्या

बता दें कि अतिक्रमण बोकारो की बड़ी समस्याओं में से एक है। जमीन, बिजली, पानी सब पर यहां एक अरसे से कब्जा है। इसे हटाने की कोशिशें कई दफा की गईं। हर साल, दो साल पर प्रशासन का बुलडोजर चलता है, लेकिन हर बार फिर उसी तरह उसी जगह कथित अवैध कब्जा हो जाता है। इससे बीएसएल को भारी राजस्व-क्षति होती है। लेकिन, प्रबंधन ने इस बार काफी सोची-समझी रणनीति के तहत एक दमदार शख्सियत को यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनसे कुछ माह पहले तक नगर सेवा विभाग के जीएम एके सिंह खुद अतिक्रमण-विरोधी मुहिम की बागडोर थामे तोड़-फोड़ अभियान में लगे रहे। अबकी बार कर्नल शेखावत के नेतृत्व में जिस कदर कार्रवाई हो रही है, वह वास्तव में अवैध कब्जाधारियों के लिए किसी खौफ से कम नहीं। वह शहर के विभिन्न सेक्टरों में क्वार्टरों पर कब्जा कर भाड़ा वसूलने वालों दलालों पर भी शिकंजा कस रहे हैं।

अवैध कब्जे के खिलाफ होती रहेगी कड़ी कार्रवाई : कर्नल शेखावत

इस मामले में कर्नल शेखावत का कहना है कि सभी अतिक्रमणकारियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई चल रही है। वह बड़ा हो या छोटा, किसी का भी अवैध निर्माण रहने नहीं दिया जा रहा है। मीडिया से बातचीत में कर्नल ने कहा, 'वैसे भी प्रबंधन पर लगातार कई तरह के आरोप लगते रहे हैं कि मंटू मंडल के साथ मिलकर टीए डिपार्टमेंट के लोग क्वार्टर को अवैध तरीके से भाड़ा लगाने का काम करते हैं। छोटे लोगों पर तो कार्रवाई कर देते हैं, लेकिन मंटू मंडल जैसे लोगों पर कार्रवाई नहीं होती। ऐसी शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं। इन सभी को देखते हुए बीएसएल सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने कड़ी कार्रवाई की।' कर्नल ने बताया कि आगे भी अवैध कब्जे के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। चाहे वह कोई भी हो, किसी को भी छोड़ नहीं जाएगा।

ये है दम... बड़े से बड़ा रसूखदार भी नतमस्तक

कर्नल की दहशत ऐसी है कि बड़े-बड़े रसूखदार भी नतमस्तक हैं। ये होती है एक दमदार कार्रवाई। अभी हाल में आवास कब्जा गिरोह के कथित सरगना माने जाने वाले हत्या के आरोप से बरी मंटू मंडल के विरुद्ध कर्नल की कार्रवाई शहर में चर्चा का विषय बनी है। नगर के सेक्टर-3 में उनके द्वारा किए जा रहे कथित अवैध निर्माण पर कर्नल का हथौड़ा चला। होमगार्ड जवानों ने इसका विरोध कर रहे दबंग मंटू के साथ न केवल धक्का-मुक्की की और ठेल दिया, बल्कि उनके सामने ही उनके निर्माणाधीन गैराज को हथौड़े मार-मारकर ध्वस्त कर दिया। कर्नल की इस दिलेरी का वीडियो खूब वायरल हुआ और चर्चा लगातार गर्म है। मंटू के विरुद्ध कार्रवाई यह बताती है कि 'बड़ी मछलियां' भी अब प्रबंधन के निशाने पर हैं।

शिकंजे के बीच होमगार्ड जवानों की क्रूरता भी साहब बोले- जो कब्जा करेगा, उसका यही हश्र होगा

बोकारो इस्पात नगर में बीएसएल की जमीन पर अवैध निर्माण के खिलाफ लगातार शिकंजा कसता दिख रहा है। नगर सेवा विभाग की टीम हर दिन पूरे शहर में जमीन के अतिक्रमण तथा अवैध निर्माण के खिलाफ कर्नल शेखावत के नेतृत्व में लगातार अभियान चला रही है। लेकिन, इस कार्रवाई के बीच होमगार्ड जवानों की जो अमानवीयता और क्रूरता दिख रही है, उसे किसी कीमत पर सही नहीं ठहराया जा सकता। शुक्रवार को नया मोड़ में एक-दो फल दुकानदार ने कर्नल के साथ अवैध कब्जा हटाने को लेकर बहस क्या कर ली, उनकी तो शामत ही आ गई। हालांकि, कर्नल ने उसे पुलिस स्टेशन ले जाने की बात कही, लेकिन होमगार्ड जवानों की बर्बरता के क्या कहने। उन्होंने अपनी क्रूरता का पुराना परिचय देते हुए उन पर ताबड़तोड़ लाठियां बरसानी शुरू कर दीं। अब अगले का हाथ-पैर टूटे या सिर फूटे, उन्हें क्या! उन्हें तो कर्नल के सामने खुद को एक 'बहादुर जंगी' और 'काबिल सिपाही' साबित करना है। उनकी इस क्रूरता का वीडियो भी खूब वायरल हुआ। बता दें कि बोकारो में होमगार्ड जवानों की बर्बरता कोई नई बात नहीं है। जिस अस्पताल में लोग पहले से दुखी होकर आते हैं, वहां मरीजों के साथ बदसलूकी और उनके घर की महिला सदस्यों तक पर ये 'बहादुर' लाठियां बरसाकर 'सराहना' बटोर चुके हैं। हद तो तब हो गई, जब फल दुकानदारों पर लाठीचार्ज के दौरान अभियान की अगुवाई के रहे अधिकारी ने होमगार्ड्स को रोकने की जरूरत तक न समझी। उल्टे, यह माइकिंग की कि 'बीएसएल की जमीन पर जो अवैध कब्जा करेगा, उसका यही हश्र होगा।'

मामले की करा रहे जांच : डीएसपी

अतिक्रमण हटाने के दौरान फल दुकानदारों पर लाठियां बरसाने की पुलिसिया जांच होगी। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से वीडियो मिला, जिसे उन्होंने संबंधित थाना प्रभारी को भेजकर मामले को समझने व जांच करने को कहा है। हालांकि, शहर के बुद्धिजीवी मानते हैं कि नगर में कहीं भी अतिक्रमण है तो उसे अवश्य हटाया जाना चाहिए, लेकिन इस कार्रवाई में किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। (शेष पेज- 7 पर)

इधर, मेजर का भी खौफ... फुसरो के बाद अब चास के व्यवसायी निशाने पर

जिले के फुसरो, बोकारो थर्मल और आसपास के दर्जनों सराफा कारोबारियों को वाट्सएप कॉल और संदेश के जरिए रंगदारी मांगने वाले मेजर नामक शख्स का आतंक अब चास-बोकारो के जेवर दुकानदारों में भी देखा जाने लगा है। वजह है मेजर की धमकी। फुसरो की जेवर दुकानों में गोलीकांड के मामले में वांछित प्रिंस खान के मेजर नामक गुर्गे ने चास मेन रोड के एक जेवर दुकानदार चिंकू दे मोदक से 20 लाख रुपए की रंगदारी मांगी है। यूके (यूनाइटेड किंगडम) के नंबर से वाट्सएप पर रंगदारी की मांग करते हुए नहीं दिए जाने की स्थिति में जान मारने की धमकी भी दी है। मुक्तभोगी चास के मेन रोड स्थित मोदक ज्वेलरी हाउस नामक दुकान के मालिक चिंकू दे मोदक ने इस संबंध में चास थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया कि +447447441387 नंबर से उन्हें तीन बार वाट्सएप के जरिए कॉल किया गया। अनजान नंबर देखकर उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद उन्हें व्हाट्सएप कर लिखित संदेश और ऑडियो भेजा, जिसमें धमकी देते हुए कहा गया कि मेजर बोल रहा हूं। रंगदारी स्वरूप 20 लाख रुपए भेज दो, नहीं तो बेरमो फुसरो गोलीकांड की तरह कांड किया जाएगा। धमकी देने वाले ने बम, गोली से जान मारने की धमकी दी है। व्यवसायी ने इसकी स्क्रीनशॉट व ऑडियो क्लिप पुलिस को सौंपी है। उन्होंने पुलिस से कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ अपराधियों से सुरक्षा की मांग भी की है, ताकि अपना व्यवसाय सुचारू रूप से चला सके।

पिछले महीने बेरमो फुसरो में ज्वेलरी दुकानदारों और अन्य व्यवसायियों को प्रिंस खान गिरोह के मेजर के नाम से वाट्सएप कॉल और मैसेज भेजकर रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं देने पर दुकान पर फायरिंग कर दहशत फैलाने का काम किया गया था। दो दुकानों के बाहर फायरिंग भी की गई थी। इस मामले में बोकारो पुलिस व एटीएस की टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार की थी, जो इस समय जेल में हैं। गिरफ्तार आरोपियों में बिट्टू सोनार, गोलू कुमार, छोटू कुमार, अरविंद सोनार, ऋतुराज कुमार उर्फ बाबू शामिल है। सभी गिरफ्तार अपराधी धनबाद के मधुबन थाना और सोनारडीह के रहने वाले हैं, लेकिन पुलिस मेजर को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। मेजर के नाम से व्यवसायियों को वाट्सएप मैसेज व कॉल कर रंगदारी वसूली के लिए धमकी देने का काम अभी भी जारी है।

किंगपिन प्रिंस व मेजर की गिरफ्तारी का इंतजार

वाट्सएप से धमकी और गोलीकांड मामले में डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा ने बताया था कि मुख्य सरगना प्रिंस खान और जेवर दुकानदारों को कॉल कर धमकाने वाले मेजर नामक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई चल रही है। इंटरपोल का भी सहयोग लिया जा रहा है। प्रिंस खान विदेश में रहकर गैंग चला रहा है। प्रिंस खान कहां है, यह पुलिस को पता है। उसकी गिरफ्तारी और भारत लाने के लिए कागजी कार्रवाई आगे बढ़ाया जा चुका है। जल्द ही विदेश नीति के तहत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया होने के बाद प्रिंस खान को भारत लाया जाएगा।

- संपादकीय -

संविधान की यह कैसी दुहाई?

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में नगर निकाय चुनाव नहीं कराने के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की है। पूर्व वार्ड पार्षद रोशनी खलखो व अन्य की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस आनंद सेन की बेंच ने शनिवार को राज्य सरकार की कार्यशैली पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि चार साल तक झारखंड में नगर निकाय का चुनाव नहीं कराना लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है। न्यायालय ने कहा कि झारखंड सरकार के अनुचित काम करने पर जब केन्द्र सरकार या केन्द्रीय एजेंसियां कार्रवाई करती हैं तो सरकार कहती है कि यहां लोकतंत्र की हत्या हो रही है। कोर्ट ने सवालिया लहजे में कहा कि ऐसे में चार साल तक नगर निकाय का चुनाव नहीं कराया जाना लोकतंत्र की हत्या नहीं तो और क्या है? कोर्ट ने कहा कि इतने दिनों तक शहर के लोगों को उनका चुना हुआ प्रतिनिधि न देना लोकतंत्र की हत्या के समान ही है। कोर्ट ने राज्य सरकार को दो सप्ताह में नगर निकाय चुनाव पर फैसला लेने का भी निर्देश दिया है। अब दो हफ्ते बाद इस मामले में पुनः सुनवाई होगी। सच कहें तो न्यायालय की यह टिप्पणी पिछले लोकसभा चुनाव में संविधान की दुहाई देकर कथित रूप से लोकतंत्र बचाने के नाम पर चुनावी दंगल में उतरे इंडिया गठबंधन, खासकर राज्य में झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन की सरकार के मुंह पर तमाचा है। दरअसल, झारखंड के 48 नगर निकायों में से 14 में वर्ष 2020 से नगर निकायों का चुनाव लंबित है। जबकि, 34 निकायों का कार्यकाल अप्रैल 2023 में ही पूरा हो चुका है। इसके बावजूद राज्य सरकार नगर निकायों का चुनाव कराने के मामले में न सिर्फ पूरी तरह उदासीन है, बल्कि नगर निकायों में चुने हुए जन-प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों से वंचित कर रखा है और राज्य सरकार के अधिकारियों के जिम्मे सारा काम-काज सौंपकर लाल फीताशाही को बढ़ावा दे रही है। याचिका की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विनोद सिंह ने कहा कि निकाय चुनाव न होने से आम लोगों को अपना काम करवाने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। दरअसल, नगर निकाय चुनाव कराने को लेकर दाखिल याचिका पर पिछले जनवरी में भी सुनवाई हुई थी। उस समय सरकार की ओर से जवाब दाखिल किया गया था, जिसमें कहा गया था कि विकास किशन राव गवली बनाम महाराष्ट्र सरकार मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिपल टेस्ट कराकर ही निकाय या पंचायत चुनाव कराने का निर्देश दिया है। इसका विरोध करते हुए प्रार्थी के वकील ने कहा कि सरकार अधूरा जवाब देकर कोर्ट को दिग्भ्रमित कर रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सुरेश महाजन बनाम मध्य प्रदेश मामले में स्पष्ट आदेश दिया है कि ओबीसी ट्रिपल टेस्ट कराकर ही निकाय या पंचायत चुनाव कराए जाने चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि चुनाव ही नहीं कराया जाए। चुनाव नहीं कराया जाना संविधान की मूल अवधारणा का हनन है। ओबीसी आरक्षण तय करके चुनाव कराना प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इस आधार पर चुनाव नहीं कराना लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने झारखंड सरकार को दो सप्ताह में चुनाव पर फैसला लेने का निर्देश दिया है। साथ ही, उक्त मामले में अपनी टिप्पणी कर संविधान बचाने का नारा देकर लोकसभा का चुनाव लड़ने और फिर संसद में भी संविधान की प्रति लहराने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं को आईना दिखाया है। अब देखना यह है कि हाईकोर्ट के निर्देश का सरकार पर क्या असर होता है। वैसे, झारखंड हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी से उम्मीद यही की जानी चाहिए कि राज्य सरकार निश्चय ही नगर निकायों का चुनाव कराने की दिशा में जल्द ही सार्थक पहल करेगी।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

2024 चुनाव का अप्रत्याशित झटका

- मोद प्रकाश -
ब्रिसबेन, ऑस्ट्रेलिया

'500 सालों के बाद भी, अयोध्या में भव्य राम मंदिर 1.2 अरब हिंदुओं को एकजुट नहीं कर सका। इसके बजाय इसने सफलतापूर्वक 180 मिलियन मुसलमानों को हिंदुओं के खिलाफ एकजुट जरूर कर दिया।' यह 2024 के चुनाव परिणामों के बाद एक आम भावना है। सवाल यह है कि मंदिर हिंदुओं को एकजुट क्यों नहीं कर पाया?

एक ज्ञानवर्धक मुलाकात

पिछले कुछ हफ्तों से मैं ग्रामीण बिहार में व्यापक रूप से यात्रा कर रहा हूं। एक व्यक्ति ने मुझे इस पेचीदा सवाल का एक संभावित और सबसे संभावित उत्तर दिया। यह घटना कुछ पैराग्राफ के लायक है। ननमुम (नाम बदला हुआ) मुसहर जाति से आता है और बचपन से ही हमारे परिवार से जुड़ा हुआ है। उसका परिवार पिछले तीन पीढ़ियों से हमारे गांव के खेतों पर काम कर रहा है। ननमुम के बाद यह व्यवस्था जारी रहेगी या नहीं, यह अनिश्चित है, क्योंकि न तो ननमुम के बच्चे अब गांव में रहते हैं और न ही हमारे परिवार का कोई सदस्य अब गांव में रहता है। लेकिन, यहां चर्चा का मुद्दा यह नहीं है। मैं उस बातचीत के बारे में बात करना चाहता हूं जो ननमुम ने मुझसे की। जैसे ही मैं अपने घर पहुंचा, उसने घर खोला और साफ-सफाई की और मुझे पहले हमारे 'भगवती' की पूजा करने को कहा। भगवती हमारे परिवार की देवी हैं और हमारे घर का एक कमरा उनको समर्पित है। घर में आने वाला हर व्यक्ति पहले जाकर भगवती को नमन करता है। भगवती की पूजा करने के बाद, ननमुम ने मुझे 'ब्रह्म स्थान' चलने और 'ब्रह्म बाबा' और 'महावीर जी' की पूजा करने को कहा। मैंने ननमुम की सलाह मानी। लेकिन एक बात मैंने विशेष रूप से देखी। उसने न तो हमारे घर के भगवती के कमरे में प्रवेश किया और न ही ब्रह्म स्थान में। उसने बाहर से ही पूजा की। जब मैंने उससे पूछा, तो उसका उत्तर था, 'हम नीच जाति के हैं, इसलिए हम चौखट के बाहर से ही पूजा करते हैं।' मुझे आश्चर्य नहीं हुआ और मैंने उसे अंदर आने को कहा; लेकिन वह नहीं आया। दिन भर में जब वह मुझे अपने खेतों में घुमा रहा था, तो मुझे पता चला कि वह पिछले बीस सालों से शुद्ध शाकाहारी है, सख्त भोजन और प्रार्थना के नियमों का पालन करता है और कबीरपंथ का अनुयायी है। उसका एक गुरु (कबीरपंथ से) लगभग 100 किलोमीटर दूर है और वह नियमित रूप से उस गुरु के पास जाता है।

'जाति' ने समुदायों को धर्म की धुरी से किया दूर

पूरा प्रकरण मेरी आंखें खोलने वाला था। इससे मुझे उस सवाल का कुछ उत्तर मिला, जो मैं लंबे समय से खोज रहा था। कुछ बातें बहुत स्पष्ट थीं। सबसे पहले, सनातन विचार की जड़ें बहुत मजबूत थीं कि भेदभाव और बहिष्कार के बावजूद मुख्य दर्शन के साथ जुड़ाव हमेशा बना रहा। ननमुम और उसके परिवार को पिछली तीन पीढ़ियों से मेरे गांव और आस-पास के इलाकों में इस्लाम का सामना करना पड़ा है। उसकी जाति के कुछ सदस्य दो पीढ़ी पहले इस्लाम में परिवर्तित हो गए थे और हमारे गांव के बाहर एक छोटा सा मुस्लिम बस्ती स्थापित कर ली थी। वह सनातन के मूल से मजबूती से जुड़े रहे। मंदिर उनके विश्वास का केंद्र नहीं बन पाया, क्योंकि उनकी जाति के लोगों को लंबे समय से मंदिरों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी।

कई पीढ़ियों के बाद, यह एक अनुष्ठान बन गया, जिसे कोई तोड़ना नहीं चाहता और इसलिए जब मैंने उसे भगवती के कमरे या मंदिर के अंदर आने के लिए कहा, तो उसने दूरी बनाए रखी। हालांकि, उसने कबीरपंथी शिक्षाओं में वही विश्वास की शक्ति पाई, जहां वह अपनी आध्यात्मिक अभिव्यक्ति को अधिक स्वतंत्र और खुले रूप से व्यक्त कर सकता है। उत्तर भारत में हमारे देश की बड़ी आबादी ने अपने विश्वास के केंद्र के रूप में मंदिर का अनुभव केवल दूरी से किया है, इसलिए मंदिर आंदोलन उन्हें खुश तो करता है, लेकिन यह एक मजबूत भावनात्मक संबंध नहीं बन पाता।

समाज में एकता की धुरी बन सकेंगे मंदिर

धर्म की इस विकृति को मंदिरों के सुधार के माध्यम से बहुत जल्दी मिटाया जा सकता है। यह हिंदू समाज के भीतर से सुधार की जरूरत है। मंदिर तो हमेशा से धर्म के केंद्र में रहा। कुछ समुदायों को मंदिर से कब और कैसे अलग किया गया, यह शोध का विषय है। पर, आज क्या करना चाहिए, उस पर विचार करने की आवश्यकता है। मेरे विचार में, मंदिर ही समाज की धुरी फिर से बनना चाहिए और वही सनातन समाज को सनातन निरंतरता प्रदान करेगी। निम्नलिखित इस सुधार को लाने का सबसे तेज तरीका हो सकता है। जिन मंदिरों ने समाज में विभाजन को बनाए रखा है, वही मंदिर समाज में एकता की धुरी बनेंगे। आज कल बहुत से बाबा और गुरुओं का बोलबाला इसलिए है, क्योंकि समाज के एक बड़े वर्ग के लिए आध्यात्मिक खालीपन है। वो समाज धर्म से जुड़ा है, पर आस्था के जो दृश्य स्थान हैं- मंदिर, उससे दूर है। मंदिरों को समाज को दे दें तो हर समाज का अपना मंदिर होगा और फिर धर्म सारे समाज को एक सूत्र में पिरोने की कड़ी बन सकेगा।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

विकृत समाज कुत्सित सोच

मैथिली कविता

- शम्भुनाथ -

लोभ मोह केर छत्ता सँ अछि छाया कयने,
लम्पटता केर पाग माथ पर सजा रहलये।
भाल कलंकक टीका नहि अपना सूझय,
लज्जाहीन सभा बिच गाल बजा रहलये।।

पति पत्नी दुहु क' रहलैये सतत वंचना,
पिता पुत्र संग बैसि पान मदिरा क' रहलै।
घरक इज्जति बरू जाय बाजारे बीकय,
भाइ भाइ केर हकमारी सगरो क' रहलै।।

परिभाषा आइ बदलि परिवारक गेलै,
पति पत्नी आ संतति मात्र समेटि बनाबय।
माय बाप बरू भीख माँगिके जीवन राखय,
मोछ ताव द' ओ समाज मे शान बघारय।।

बाट घाट मे सगरो सह सह साप करै छै,
पैर बारि के बहुत कठिन छै डेग बढायब।
जतय वासना कुण्ठा कुत्सित सोच भरल मन,
बहुत कठिन छै तै समाज मे लाज बचायब।।

बोकारो के गांवों में सांपों का कहर

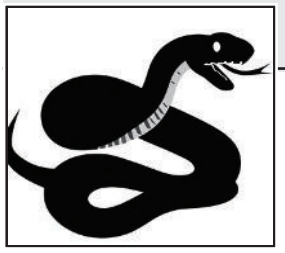

विषैला आतंक... डेढ़ महीने में जिले में सर्पदंश के 44 मामले आए सामने, 2 की मौत

संवाददाता
बोकारो : मानसून के मौसम में इन दिनों बोकारो में सांपों का खतरा काफी ज्यादा बढ़ गया है। ग्रामीण इलाकों में खास तौर से सांपों का आतंक देखा जा रहा है। बरसात शुरू होते ही सांप बिलों से निकल कर लोगों के घरों तक तक पहुंच रहे हैं या खुले मैदान व झाड़ियों में रहकर लोगों को डंस रहे हैं। सर्पदंश के मामले लगातार जिले के ग्रामीण इलाकों से सामने आ रहे हैं। जून महीने से लेकर खबर लिखे जाने तक विगत लगभग डेढ़ महीने में सर्पदंश के 44 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें दो की मौत हो चुकी है, जबकि कई पीड़ितों का इलाज चल रहा है। इससे लोगों में भारी दहशत है।

सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार की मानें तो सदर अस्पताल, बोकारो में स्नैक बाइक के 35 मामले आ चुके हैं। इनमें पेटरवार सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचने वाले मरीज भी शामिल हैं। सदर अस्पताल, बोकारो के इमरजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हर रोज औसतन सर्पदंश के तीन मरीज पहुंच रहे हैं। इसके अलावा, चंदनकियारी में 2, जरीडीह में 4, गोमिया में 2 और नावाडीह में 1 मामले आए। इनमें 13 जहरीले करैत सांप और 31 बिना जहर वाले सांप काटने के मामले हैं। बीते हफ्ते शुक्रवार को नावाडीह प्रखंड के अरगामो गांव की किशोरी खुशबू कुमारी की इलाज के दौरान सदर अस्पताल में हो गई, उसे करैत सांप ने काटा था। जबकि इसके पहले 14 जून को पेटरवार प्रखंड के कोह गांव की 30 वर्षीय आरती देवी को रलेस वाइपर सांप काटने से धनबाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी। बुधवार को पेटरवार के दारिद में धीरेन्द्र कुमार मुंडा (37) को रसेल वाइपर से डंस लिया। अपने खेत में घास निकाल रहा था। रिम्स में गंभीर स्थिति में उसका इलाज चल रहा है।

बोले सीएस- स्वास्थ्य महकमे की पुख्ता व्यवस्था

सर्पदंश मामलों में स्वास्थ्य महकमे की तैयारी को लेकर पूछे जाने पर सिविल सर्जन ने कहा कि सांप के डंसने के बाद इलाज की जो तैयारियां होनी चाहिए, वह बोकारो जिले में पुख्ता है। सभी प्रकार की एंटी वेनम वैक्सीन हैं। सदर अस्पताल में इसके लिए खास तौर से पांच बेड की व्यवस्था की गई है। सदर अस्पताल में भी एंटी स्नैक वेनम की विशेष व्यवस्था है। सूत्रों के अनुसार, सदर अस्पताल, एसडीएच चास में 60, एसडीएच तेनुघाट में 60, एसडीएच बेरमो में 29, सीएचसी चास में 80, सीएचसी चंदनकियारी में 50, कसमार में 11, पेटरवार में 55, जरीडीह में 20, नावाडीह में 50, गोमिया में 75 और सीएचसी बेरमो में 45 वायल उपलब्ध हैं।

झाड़-फूंक में न फंसें लोग, देर से अस्पताल पहुंचना मौत का कारण

एक सवाल के जवाब में सिविल सर्जन ने कहा कि सांप के डंसने के बाद तुरंत चिकित्सक के पास अपने नजदीकी अस्पताल में जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके प्रति लोगों में जागरुकता का अभाव है। लोग अंधविश्वास में ओझा-गुनी, झाड़-फूंक के चक्कर में पड़ जाते हैं, जिसके कारण देर हो जाती है और तब तक जहर पीड़ित के पूरे शरीर में फैल जाता है। इसलिए, लोग ऐसा न करें। पेटरवार में सर्पदंश से एक बच्ची की मौत का कारण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सांप ने उसके माथे में काटा था, जिसके कारण तुरंत प्वाइजन उसके ब्रेन में फैल गया, जिससे उसकी मौत हो गई। दूसरी मौत का कारण उन्होंने पीड़िता को देर से एंटी स्नैक वेनम दिया जाना बताया। कहा कि उसे पहुंचने में देर हो गई थी। उन्होंने कहा कि एंटी स्नैक वेनम के अलावा और भी कुछ वैक्सीन दी जाती है और प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट किया जाता है, ताकि जहर को शरीर में फैलने से रोका जा सके।

शहर में कोबरा, करैत, गांवों में रसेल वाइपर

सर्पमित्र एवं बीएसएल अग्निशमन विभाग के कर्मी महावीर प्रसाद पांडेय के अनुसार, बोकारो जिले में जहरीले सांपों में मुख्य रूप से कोबरा, कोमन करैत और बेंडेड करैत का प्रकोप है। इनके जहर में न्यूरो टॉक्सिस होता है, जबकि रसेल वाइपर में हीमो टॉक्सिस होता है, यह दोनों ही जानलेवा जहर है। सांप काटने पर नॉर्मल रहें, जहां काटा वहां साबुन-पानी से धोएं और दबाकर खून निकालें व तुरंत अस्पताल जाएं।

60 फीसदी मौत डर से

सर्प विशेषज्ञ श्री पांडेय बताते हैं कि सांप काटने से 60 प्रतिशत मौत डर से होती है, इसलिए सांप के बारे में जागरूकता जरूरी है। शहर में कोबरा और करैत व ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद जहरीले रसेल वाइपर मिलते हैं। धामन सांप भी काफी दिखते हैं, पर वे जहरीले नहीं होते। अधिकतर सांप विषहीन होते हैं।

सर्पदंश के साथ ही तत्काल करें यह उपाय

- सर्पदंश के शिकार व्यक्ति को सबसे पहले सीधा लिटा दें। हिलने-डुलने न दें।
- काटे गए स्थान को साबुन और साफ पानी से धोएं और कसकर बांध दें।
- मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाएं। जल्द इलाज मिल जाने पर जान बच सकती है।

प्रोत्साहन नियोजन पाने वाले सफल छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

युवाओं का भविष्य संवार रहा वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल

संवाददाता
बोकारो : वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल इस क्षेत्र के युवाओं को बेहतर भविष्य प्रदान कर रहा है। इस स्कूल से सफल होने वाले सैकड़ों युवा आज अपने पैरों पर खड़े होकर विभिन्न क्षेत्रों नियोजित हो चुके हैं। वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल ने अब तक 521 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया, जिनमें अब तक 377 छात्रों को सोलर पावर, गारमेंट्स उत्पादन आदि अग्रणी फर्मों में प्लेसमेंट मिला है। जबकि, इससे प्रशिक्षित शत-प्रतिशत युवाओं को रोजगार मिल चुका है। गुरुवार को एक कार्यक्रम में नाबार्ड के डीडीएम फिलमुन बिलुंग तथा ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर उप प्रमुख राकेश कुमार मिश्रा ने 35 वैसे छात्रों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर सफलतापूर्वक प्लेसमेंट प्राप्त किया है। ये सभी युवा ईएसएल स्टील लिमिटेड सीएसआर के परिचालन क्षेत्र चंदनकियारी और चास प्रखंड के 27 गांवों से हैं।

उल्लेखनीय है कि वेदांता समूह की कंपनी ईएसएल स्टील भारत की एक अग्रणी ग्रीनफील्ड एकीकृत स्टील उत्पादक है, जो अपने क्षेत्र में समाज और समुदाय के कल्याण के लिए प्रयासरत है। कंपनी को सामाजिक और सामुदायिक विकास प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सरकारी संगठनों और गैर सरकारी संगठनों से कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। गुरुवार को वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल से सोलर पीवी इंस्टॉलर ट्रेड प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 35 छात्रों के बैच को सम्मानित सम्मानित किया गया। इन 35 छात्रों ने न केवल सफलतापूर्वक अपना कोर्स पूरा किया है, बल्कि उन सभी ने हैदराबाद स्थित प्रीमियर एनर्जीज के साथ प्लेसमेंट भी हासिल किया है, जो अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी है, जिसका औसत सीटीसी 2,00,000 रुपये प्रति वर्ष है। नाबार्ड की ओर से सराहना के तौर पर सफलतापूर्वक अपना कोर्स पूरा करने वाले छात्रों को एक सोलर किट भेंट की गई, जिसमें विभिन्न उपकरण, औजार और गैजेट शामिल थे, जो उनके पेशे में उनकी मदद करेंगे।

कौशल-विकास जरूरी : मिश्रा

इस अवसर पर सीएसआर ईएसएल स्टील लिमिटेड के उप प्रमुख राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि वेदांता संगठन अपने परिचालन क्षेत्र के गांवों से युवा प्रतिभाओं के कौशल विकास के प्रति न सिर्फ प्रतिबद्ध है, बल्कि यह कंपनी की एक रणनीतिक अनिवार्यता है। वेदांता ईएसएल कौशल विकास परियोजना के माध्यम से हम न केवल उज्जवल भविष्य को आकार दे रहे हैं, बल्कि निरंतर विकास और प्रगति के लिए एक मजबूत व सशक्त समुदाय का निर्माण भी कर रहे हैं। दरअसल, वेदांता ईएसएल कौशल स्कूल युवाओं को स्थायी रोजगार के अवसर प्रदान करता है। सीड्स की ओर से सोलर पीवी इंस्टॉलेशन और सिलाई मशीन ऑपरेशन जैसे ट्रेडों में छात्रों को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान ने छात्रों की बहुत मदद की है। प्रदान किए गए सभी पाठ्यक्रम एन.एस.डी.सी. से प्रमाणित हैं, जो उद्योग-मानक प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। इसके अलावा, परियोजना प्रशिक्षित उम्मीदवारों में से कम से कम 70% की नियुक्ति का आश्वासन देती है। प्रशिक्षित उम्मीदवारों को ब्लू जर्सी गारमेंट्स, अदानी पावर, प्रीमियर एनर्जीज आदि जैसी कंपनियों में रखा गया है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून नहीं, तो आंदोलन निश्चित

संवाददाता
बोकारो : जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर जनसंख्या समाधान फाउंडेशन ने मोर्चा खोल दिया है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर उपायुक्त कार्यालय के समीप फाउंडेशन के तत्वावधान में एकदिवसीय धरना दिया गया। कार्यक्रम का संचालन फाउंडेशन के बोकारो जिला महासचिव विक्रम कुमार महतो ने एवं अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजय कुमार मोदक ने की। फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक तथा राष्ट्रीय सहसंयोजक कौशल ने कहा कि एक विशेष संप्रदाय पूरे भारतवर्ष में लव जिहाद फैलाने का प्रयास कर रहा है और जनसंख्या की तादाद को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जनसंख्या नियंत्रण कानून भारतवर्ष के लिए, सनातन धर्म के लिए लागू हो, जिससे पूरे संपूर्ण राष्ट्र का निर्माण हो सके। यदि सरकार ने इस बिंदु पर कड़ाई से संज्ञान नहीं लिया तो सनातनी समाज जोरदार आंदोलन करने पर बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि हम किसी जाति या समुदाय के विरोधी नहीं है, पर जो हालत जो तस्वीर और स्थितियां बन रही है वह आने वाली पीढ़ी के लिए चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि पहले तो पानी बिजली की लड़ाई होती थी, पर अब समस्या दूसरी तरफ बढ़ रही विश्व में मात्र 2.4 प्रतिशत भू-भाग पर विश्व की कुल लगभग 800 करोड़ जनसंख्या के 17.8 प्रतिशत अर्थात 143 करोड़ से अधिक आबादी का भार वहन कर रहे भारत में जनसंख्या विस्फोट से उपलब्ध संसाधन, सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय संकट तथा जनसांख्यिकी असंतुलन के कारण पल-प्रतिफल गृहयुद्ध की आशंका है। धरना के पश्चात भारत के प्रधानमंत्री को 11 सूत्रीय मांग पत्र उपयुक्त बोकारो के माध्यम से फाउंडेशन के प्रतिनिधि मंडल ने सौंपा।

सुरक्षा नियमों के अनुपालन को ले प्रतिबद्धता जरूरी : डीआई

बीएसएल में सुरक्षा संबंधी सर्वोच्च समिति ने किया मंथन

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी कार्यालय के कांफ्रेंस रूम में निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में सेफ्टी एपेक्स कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (माइंस) जयदीप दासगुप्ता संयंत्र के मुख्य महाप्रबन्धकगण, विभागाध्यक्ष तथा विभागीय सुरक्षा अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) कुमार रजनीश ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सुरक्षा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन के बारे में सभी को अवगत कराया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024 -25 की प्रथम तिमाही के दौरान सेफ्टी की दिशा में किये गए पहल के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। इसके अलावा कवच पोर्टल एवं संयंत्र सुरक्षा से जुड़े विभिन्न एलिमेंट की अद्यतन स्थिति के बारे में भी चर्चा हुई। बैठक में संयंत्र सुरक्षा से जुड़े हुए अधिकाधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया गया। कांट्रेक्टर सेफ्टी मैनेजमेंट के तहत सभी कांट्रेक्टर का ऑडिट जल्द पूरा करने पर बल दिया गया।

मांगा चूक प्रतिवेदन : निदेशक प्रभारी ने सभी मुख्य महाप्रबन्धकगण तथा विभागाध्यक्ष को अपने विभागों में नियर मिस रिपोर्ट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी ने सुरक्षा नियमों के अनुपालन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक के दौरान सुरक्षा प्रबंधन प्रथाओं में निरंतर सुधार और नवाचार पर जोर देते हुए, संयंत्र को सुरक्षित कार्य वातावरण की ओर मार्गदर्शन करने के लिए एक फॉरवर्ड रोडमैप और सुझाव प्रस्तुत किए गए।

जीजीईएसटीसी में विकसित होंगे साइबर डिफेंस के फैकल्टी

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज, बोकारो को ए.आई.सी.टी.ई. (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अटल-फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम, साइबर सिक्योरिटी के आयोजन हेतु 3.5 लाख रुपयों के अनुदान हेतु चयनित किया गया है। इस संकाय विकास कार्यक्रम के संयोजक के रूप में अपूर्बा सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग को नामित किया गया है। इन्होंने पूर्व में साइबर विद्यापीठ द्वारा आयोजित साइबर डिफेंस इंजीनियरिंग पर उत्कृष्टता प्रमाण पत्र हासिल किया है। एक सप्ताह के इस कार्यक्रम में पूरे भारत देश से रिसोर्स पर्सन तथा प्रतिभागी शामिल होंगे। कॉलेज के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरूहार ने बताया कि सत्र 2024-25 के लिये झारखंड में जी.जी.एस.ई.एस.टी.सी. के अलावा बी.आई.टी. सिंदरी तथा एन.आई.एफ.टी. हटिया के प्रस्तावों को स्वीकृत किया गया है। साथ ही, उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष से कॉलेज में साइबर सिक्योरिटी में बी.टेक. कोर्स झारखंड में सर्वप्रथम आरंभ हुआ है। संस्था के विधि एवं प्रशासनिक अधिकारी पल्लवी प्रसाद ने बताया कि आने वाले समय में साइबर सिक्योरिटी विशेषतः वित्तीय संस्थाओं के लिये चुनौती रहेगी। इसकी तकनीकी शिक्षा बहुत प्रासंगिक व महत्वपूर्ण है। इसलिए संस्थान ए.आई.सी.टी.ई. को साधुवाद देती है। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह एवं सचिव एस.पी.सिंह ने इस सफलता पर बधाई व शुभकामनाएं दीं।

प्रोत्साहन स्थापना दिवस पर सम्मानित किए गए डीवीसी अधिकारी, पूर्व ईडी ने कहा -

समस्या-समाधान में अनुभवों का आदान-प्रदान सहायक

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में मनाये जा रहे डीवीसी स्थापना दिवस के अवसर पर डीवीसी के सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डीवीसी के पूर्व कार्यपालक निदेशक महेश चंद्र मिश्रा, पूर्व परियोजना प्रधान एन के चौधरी, बी बी दास, उनकी धर्मपत्नी तथा सपन राय चटर्जी शामिल हुए। समारोह के संबोधित करते हुए पूर्व कार्यपालक निदेशक महेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि डीवीसी के अधिकारियों में नॉलेज की कमी नहीं है। डीवीसी के अधिकारी अगर चाह लें तो उनके नॉलेज का लाभ अन्य पावर प्लांट के संस्थानों को भी प्राप्त होगा। प्लांट के सुचारू रूप से संचालन के लिए निर्धारित पैरामीटर का अनुपालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अनुभव का आदान-प्रदान किए जाने से भी कई समस्याओं का समाधान संभव है। मशीन और वर्क कल्चर पर अभियंताओं को पूरा ध्यान देने की जरूरत है। पूर्व परियोजना प्रधान एन के चौधरी ने अपने कार्यकाल के अनुभवों की चर्चा करते हुए कहा कि विपरीत स्थिति में भी अभियंताओं को विचलित होने की जरूरत नहीं है। प्रत्येक समस्या का समाधान उसके कार्य में ही छुपा हुआ है।

उन्होंने कहा कि डीवीसी में प्रतिभावान अभियंताओं की कमी नहीं है। जरूरत है अभियंताओं को कि वह अपनी प्रतिभा को निखारने में हमेशा प्रयत्नशील रहें। पूर्व परियोजना प्रधान बी बी दास ने कहा कि अभियंताओं को अपने कर्मठ साथियों के साथ एक परिवार की तरह व्यवहार करना चाहिए। इससे कार्यक्षमता में निखार आता है। हम एक साथ मिलकर बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान आसानी से कर सकते हैं। पूर्व परियोजना प्रधान सपन राय चटर्जी ने प्लांट संचालन के लिए तकनीकी समस्याओं के निदान पर विस्तृत चर्चा की और कहा कि किसी भी समस्या का समाधान उसके कार्य अनुभव में ही छुपा हुआ है। वक्ताओं ने डीवीसी स्थापना दिवस पर उन्हें सम्मानित करने के लिए बुलाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि हम डीवीसी की कोई भी समस्या के समाधान के लिए हमेशा तैयार हैं। वरिष्ठ महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने उपस्थित अधिकारियों को सम्मानित किया और उनकी उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। समारोह में वरिष्ठ महाप्रबंधक डीसी पांडेय, उप महाप्रबंधक संजीव कुमार, दिलीप कुमार, आर आर ओझा, दीपक कुमार, महावीर ठाकुर, अजीत कुमार सिन्हा, आर पी सिंह, सत्येंद्र कुमार आदि रहे।

हफ्ते की हलचल

स्कूलों बच्चों ने सीखे योगासनों के तकनीकी गुर

बोकारो : बोकारो डिस्ट्रिक्ट योगासना स्पोर्ट एसोसिएशन की ओर से डीपीएस बोकारो में योगासन पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विद्यालयों के लगभग 125 विद्यार्थियों को रांची से पहुंचे रिसोर्स पर्सन अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक विकास गोप और शंकर राणा ने योगाभ्यास की महत्ता, खेल के रूप में इसकी ख्याति, पाठ्यक्रम में इसके जुड़ाव, सेहत, पढ़ाई व करियर के रूप में इसकी भूमिका, योगाभ्यास व आसनों के प्रकार, इनसे संबंधित स्पधाओं आदि की विस्तार से जानकारी दी। बच्चों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक सत्र में तमाम बातें बताई गईं। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह तन, मन और आत्मा को जोड़ने की प्राचीनतम विद्या है। मौके पर उपाध्यक्ष एवं डीपीएस बोकारो के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण, जिला सचिव एवं डीपीएस बोकारो के क्रीड़ा शिक्षक ब्रजेश कुमार सिंह, संयुक्त सचिव एवं डीपीएस बोकारो की खेल शिक्षिका निभा कुमारी तथा कोषाध्यक्ष सह दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के प्रशासक राजन सिंह के अलावा विभिन्न विद्यालयों के क्रीडा शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

कारगिल विजय की 25वीं वर्षगांठ पर पौधरोपण

बोकारो : पूर्व सैनिक सेवा परिषद, बोकारो की ओर से कारगिल विजय के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह की परिकल्पना के साथ विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला का आरंभ संत मेरिज विजन इंटरनेशनल स्कूल, चीरा चास में 25 फलदार सहित बहु-उपयोगी पौधरोपण से हुआ। परिषद के राकेश मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम के तहत आम, अमरूद, कटहल, नारियल सहित अन्य 25 बहुउपयोगी पौधे लगाए गए। श्री मिश्र ने सदस्यों को अधिकाधिक संख्या में पौधरोपण करने और पर्यावरण संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर संत मेरिज विजन इंटरनेशनल स्कूल के सचिव कुमार शैवाल, संगठन के मंत्री संजीव कुमार सिन्हा, पूर्व सैनिक राजहंस, राजकुमार सिंह, प्रदीप कुमार, अमित कुमार, मनीष चंचल, सुनील कुमार, परमहंस, मनोज पांडेय, निकेश कुमार गिरि, राजीव रंजन सिन्हा, अमित सिन्हा, सत्येंद्र कुमार, चंदन कुमार सिंह, सभ्यता पुष्प, अर्चना शर्मा, अशोक कुमार वर्मा सहित स्कूल कर्मी मौजूद रहे।

मिथिला महिला समिति ने दी भारती को श्रद्धांजलि

बोकारो : मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो की इकाई मिथिला महिला समिति ने शोकसभा आयोजित कर हाल ही दिवंगत हुईं बोकारो की सुप्रसिद्ध मिथिला पेंटिंग कलाकार, लोक गीत गायिका भारती झा को श्रद्धांजलि दी। मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष सीमा झा ने मिथिला महिला समिति की सक्रिय सदस्य के रूप में उनके योगदान को याद किया और कहा कि उनकी कमी हमेशा खलेगी। समिति की पूर्व अध्यक्ष किरण मिश्रा, पूर्व सचिव चंदा झा, वर्तमान सांस्कृतिक सचिव बीनू चौधरी सहित पूनम मिश्रा, नमिता झा, मधुबाला झा ने भी स्वर्गीया भारती झा के मिलनसार स्वभाव व सामाजिक, सांस्कृतिक आयोजनों में उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। शोकसभा में दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी। शोकसभा में मिथिला महिला समिति की बबीता झा, वंदना झा, प्रेरणा ओझा, रुचि प्रिया आदि उपस्थित रहीं।

गोमिया के अवैध आरा मिल मालिकों में हड़कंप

गोमिया : गोमिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत स्वांग स्थित लकडी आरा मिल में शनिवार को डीएफओ संदीप शिंदे ने दल-बल के साथ छापामारी कर कीमती लकड़ियां जब्त कर गोमिया स्थित वन विभाग कार्यालय में जमा कराया। इसमें कुछ चिरान और बोटा लकड़ी भी थी। गौरतलब हो कि तीन दिनों में दो लकडी शॉ मिल में छापामारी से अवैध रूप से चलने वाले आरा मिल मालिकों में हड़कंप है।

चुनाव पूर्व सरयू-नीतीश करेंगे बड़ा 'खेला'

सियासत... कॉलेज के जमाने के दो पुराने मित्रों का मिलन चर्चा में, पार्टी-विलय के आसार

विशेष संवाददाता

रांची/पटना : झारखंड में आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की ओर से भी अंदरुनी तैयारी तेज कर दी गई है। शनिवार को जदयू नेता व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय की मुलाकात चर्चा का विषय बनी है। सियासी गलियारे में इसके कई मायने लगाए जा रहे हैं। इसका संकेत खुद सरयू राय ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दे दिया। उन्होंने अपने ह्यएक्सह्न हैंडल पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा- 'मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ भेंट हुई। झारखंड विधानसभा के आगामी चुनाव में हमारी संभावित भूमिका के बारे में संक्षिप्त, परंतु फलदायक चर्चा हुई। साथ में झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ने पर सहमति बनी। शेष चुनावी औपचारिकताओं पर जेडीयू नेतृत्व शीघ्र निर्णय लेगा।' जदयू के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने भी राज्य में 10 से 15 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है। बताया कि प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव और संगठनात्मक मजबूती के साथ चुनाव लड़ने की तैयारियों की गई है।

बताया जाता है कि कुछ दिन पहले भी सरयू राय ने अपने कॉलेज के जमाने के दोस्त रहे नीतीश कुमार से भेंट की थी। उसके बाद से यह चर्चा शुरू हो गई है कि सरयू राय बिहार से राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे और इसमें उन्हें जदयू पूरी मदद करेगी। दूसरी तरफ, झारखंड विधानसभा चुनाव में वह अपनी पार्टी भाजमो के सहयोग से जदयू को मजबूत करेंगे। खबरों की मानें तो भारतीय जनतंत्र मोर्चा का जदयू में विलय की संभावना है। यह भी संभव है कि सरयू अपनी पार्टी का अस्तित्व बनाए रखकर चुनाव लड़े, लेकिन ऐसी स्थिति में जिन सीटों पर भाजमो या जेडीयू का उम्मीदवार होगा, उस सीट पर बीजेपी का रुख क्या होगा, इसे लेकर भी कई अनुमान लगाए जा रहे हैं।

बीजेपी से की थी बगावत

झारखंड की राजनीति के धुरंधर खिलाड़ी सरयू राय ने वर्ष 2019 में भाजपा से बगावत कर जमशेदपुर पश्चिमी सीट पर चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। भाजपा द्वारा टिकट नहीं दिए जाने पर वह निर्दलीय लड़े और खास बात यह रही कि तत्कालीन सीएम रघुवर दास को उस सीट से करारी शिकस्त दे दी थी। भाजपा छोड़कर अपनी पार्टी भारतीय जनतंत्र मोर्चा बनाने वाले श्री राय का जदयू के साथ मिलाप का अब इस विधानसभा चुनाव में क्या नतीजा होगा और इससे बीजेपी पर क्या असर पड़ेगा, इसकी चर्चा भी जोर-शोर से शुरू हो गई है।

इधर, बोले बाबूलाल - जनता सिखाएगी हेमंत सरकार को सबक

संवाददाता

बोकारो : राज्य की पूरी स्थिति चरमरा गई है। प्रखंड स्तर से लेकर सचिवालय स्तर पर भ्रष्टाचार का आलम है। यहां कोई भी काम बिना घूस दिए नहीं होता है। अधिकारी बेलगाम हो चुके हैं। इस बार के आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता हेमंत सोरेन सरकार को सबक सिखाएगी। ये बातें झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहीं। चास में भाजपा के अभिनंदन विजय संकल्प यात्रा के तहत बोकारो विधानसभा के कार्यकर्ता सम्मान समारोह के दौरान उन्होंने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार ने साढ़े चार साल के कार्यकाल में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। क्षेत्र के विकास के बारे में इनकी सोच धरातल पर नहीं दिख रही है। आज राज्य की यह स्थिति हो गई है कि जितनी देर बिजली रहती नहीं है, उससे अधिक देर तक बिजली कटी रहती है। झारखंड की इस लूट-खसोट की सरकार से यहां की जनता का विकास होने वाला नहीं है। यह सरकार अपने पहले दिन से झूठ और भ्रष्टाचार की बुनियाद पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने अपने पहले बजट सत्र में लाखों युवाओं को नौकरी देने और नहीं तो बेरोजगारी भत्ता देने की बात सदन पटल पर कही थी, लेकिन आज युवा हताश और निराश हैं।

श्री मरांडी ने रोजगार की सौदेबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि ब्लैकलिस्टेड एजेंसी के माध्यम से परीक्षाओं का संचालन करवाकर राज्य सरकार ने नौकरियों को बेचने का काम किया है। मरांडी ने आगे कहा कि बोकारो एयरपोर्ट से व्यावसायिक हवाई उड़ान न होना वर्तमान राज्य सरकार की उदासीनता का नतीजा है। राज्य सरकार को जो मूल सुविधाएं एयरपोर्ट परिचालन शुरू करने में देनी थी, उसे न देकर विकास में बाधक बन रही। बोकारो के विधायक बिरंची नारायण 55 महीनों से लगातार सदन में बोकारो एयरपोर्ट परिचालन की शुरूआत की मांग करते रहे, लेकिन झारखंड की वर्तमान गूंगी-बहरी सरकार नहीं चाहती है कि बोकारो से व्यवसायिक हवाई जहाज उड़े।

श्री मरांडी ने इस मौके पर 588 बूथों के भाजपा कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कहा कि भाजपा के बूथ स्तर के कार्यकर्ता सिर्फ चुनाव के दिन ही नहीं, बल्कि साल के 365 दिन आम लोगों के बीच कार्य करते हैं। आम जनता की समस्याओं से सालों भर रूबरू होते हैं और तत्परता से उसका निदान करते हैं। चुनाव में जीत-हार का फैसला बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की बदौलत ही होता है। मौके पर बोकारो विधायक एवं विधानसभा में मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, पूर्व जिलाध्यक्ष रोहितलाल सिंह, कृष्ण कुमार मुन्ना, आरती राणा, दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय, लीला देवी, संजय त्यागी, जयनारायण मरांडी, धीरज झा, अशोक कुमार पप्पू, इंद्र कुमार झा, माथुर मंडल, महेंद्र राय, अर्चना सिंह, परिंदा सिंह सहित बोकारो विधानसभा क्षेत्र के सभी नौ मंडलों से 1500 से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्याम फिर निशानेबाजी के चैंपियन

अपने शानदार प्रदर्शन से देवघर को बनाया विजेता

संवाददाता

बोकारो : झारखंड पुलिस में श्याम कुमार का नाम निशानेबाजी के लिए खास तौर से जाना जाता है। उनके इस कौशल ने एक बार फिर कमाल कर दिखाया है। संथाल परगना क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता 2024 में उनके खास व सराहनीय प्रदर्शन की बदौलत देवघर की टीम विजेता बनकर उभरी। बोकारो के जैप- 4 में आयोजित उक्त प्रतियोगिता की राइफल्स स्पर्धा में देवघर जिला प्रथम 204 अंक, दूसरा स्थान गोड्डा 112, तीसरा स्थान दुमका 108 अंक मिला। पिस्टल व रिवाल्वर में देवघर जिला प्रथम 292 अंक, दूसरा स्थान जामताड़ा 192, तीसरा स्थान साहेबगंज 122 अंक मिला। कार्बाइन, स्टेनगन में देवघर जिला प्रथम 251 अंक, दूसरा दुमका 179 अंक मिला। ओवरऑल चैंपियन देवघर जिला 875 अंक व रनर अप दुमका को 388 अंक मिला। पिस्टल व रिवाल्वर में ओवरऑल चैंपियन एएसआई श्याम कुमार देवघर, जिला कार्बाइन व स्टेनगन में ओवरऑल चैंपियन एएसआई श्याम कुमार हुए।

खतरे से निशान से ऊपर बागमती

मिथिला डायरी

सीतामढ़ी : बीते दिनों लगातार भारी बारिश के बाद बागमती नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच चुका है। इसके कारण लोगों में बाढ़ का डर सता रहा है। हालांकि, खबरों की मानें तो बागमती समेत अन्य नदियों के जलस्तर में कमी आई है, लेकिन बागमती सोनाखान और कटौझा में खतरे के निशान से ऊपर होने कारण लोग परेशान हैं। बागमती कटौझा में नदी खतरे के निशान 55.00 मीटर से पांच सेमी ऊपर और सोनाखान में खतरे के निशान 68.80 मीटर से 25 सेमी ऊपर बह रही है। जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार बागमती नदी का जलस्तर ढेंग में 70.65 मीटर, सोनाखान में 69.05 मीटर, डूबाधार में 60.90 मीटर, चंदौली में 58.12 मीटर, कटौझा में 55.05 मीटर है। वहीं, सड़कों पर मौजूद कीचड़ व गाद के कारण आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। वार्ड संख्या चार में मौजूद पीसीसी सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है।

लहेरियासराय में फिलीस्तीनी झंडा लहराने वालों पर कसा शिकंजा

दरभंगा : जिले का लहेरियासराय में मुहर्रम जुलूस के दौरान फिलीस्तीनी झंडा लहराया जाना देशभर में चर्चा का विषय बना है। इसकी वीडियो वायरल किया गया, जिसमें एक युवक फिलीस्तीन का झंडा लहराते देखा गया। हालांकि, पुलिस ने वीडियो के सामने आने के बाद तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी और आरोपितों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। शनिवार को नगर थाने की पुलिस ने दो आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इनमें पुरानी मुंसफी मोहल्ला निवासी मो. शाहिद व सेनापथ मोहल्ले के रहने वाले मो. इब्राहिम को आरोपित बनाया गया है। वहीं, दर्जनों अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी को शुक्रवार को फिलिस्तीनी झंडा लहराने का वीडियो वायरल होने की जानकारी मिली तो उन्होंने सदर एसडीपीओ अमित कुमार को नगर थाना क्षेत्र के मिलान चौक के पास जाकर छानबीन करने का निर्देश दिया।

प्रार्थना - ईश्वर से जुड़ने का माध्यम

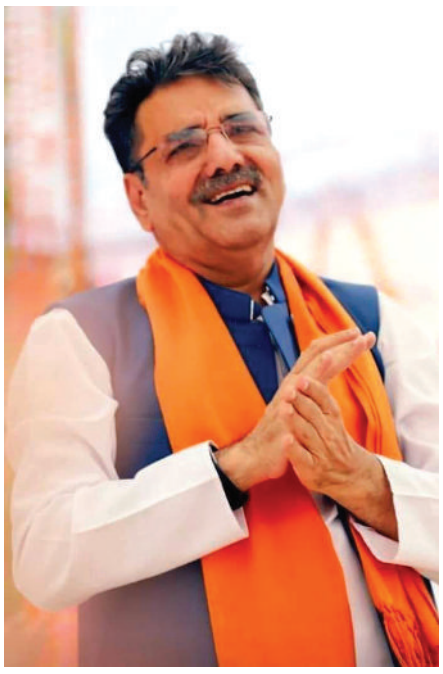

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली-

निर्धन का धन, अन्धे की आंख, दुखी का अवलम्ब भूले की राह ईश्वर हैं। जिस दिन ईश्वर को पा लिया, उस दिन से अभाव खटकना बन्द हो जाता है। विचित्र विडंबना है कि वर्तमान समय में बहुत से लोग प्रार्थना के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। ऐसा नहीं है कि उनकी ईश्वर में आस्था कम है, बल्कि वे प्रार्थना की अनिवार्यता से अनजान हैं।

प्रार्थना ईश्वर एवं मनुष्य के बीच संवाद हैं। उन दोनों का एक-दूसरे के साथ बिताया गया समय है। हमने प्रार्थना एवं पूजा को एक समझ लिया हैं, जबकि ऐसा है नहीं।

पूजा शब्द में 'पू' पुष्प का प्रतीक है एवं 'जा' जप का द्योतक है। प्रार्थना में पुष्प अनिवार्य नहीं है, हो तो भला है परन्तु नहीं हो तब भी कोई अन्तर नहीं पड़ता है।प्रार्थना का एक तरीका 'जप' है। कोई राम नाम जपता है तो कोई हरिनाम का कीर्तन करता है। कई लोग स्तोत्र का भी पाठ करते हैं, कोई भक्त मंत्र जप करता है, परन्तु जप करना भी प्रार्थना हेतु अनिवार्य नहीं है।

जगत की दुखमयता एवं आनन्दमयता

अमस्य दुखीद्यमय ज्ञस्यानन्दमय जगत्
अन्ध भुवनमन्थस्य प्रकाश तु सुचक्षुषाम्

अन्धे के लिए जगत अन्धकारमय है एवं अच्छी आंखों वाले के लिए संसार प्रकाशमय है।

वैसे ही ईश्वर से विरक्त व्यक्ति के लिए जीवन में दुख है, अज्ञानमय है एवं हर जीव में ईश्वर को देखने वाले के लिए संसार सुख है। हम अपने चारों और एक विशाल विश्व को देखते हैं। कोई होगा जिसने इस विशाल विश्व को बनाया है। इन नश्वर चीजों के पीछे एक अविनाशी ईश्वर है। इस अविनाशी ईश्वर को हम प्रार्थना के द्वारा अपना बना लेते हैं।

प्रार्थना हेतु समर्पण चाहिए, प्रभु के प्रति भक्ति चाहिए। प्रार्थना घर में, पूजन स्थल में, मंदिर में कहीं भी की जा सकती है। जगने पर या सोते समय कर सकते हैं, उगते एवं डूबते सूर्य को देखते हुए अथवा प्रकृति के सान्निध्य में किया जा सकता है।

प्रार्थना का अर्थ है कि हम अपने ईश्वर से अपने इष्ट से बात कर रहे हैं, लेकिन एक विचित्र बात है कि यह क्रिया जितना अधिक शब्दों से रहित होती है, प्रार्थना उतनी अधिक मर्मस्पर्शी होती है।

प्रार्थना के द्वारा प्राणी अपने ईश्वर को पुकारता है उसे याद करता है। हमने एक बहुत बड़ा मतिभ्रम पाल लिया है कि प्रार्थना सिर्फ मनुष्य कर सकते हैं, क्योंकि वे बोल सकते हैं। यह सच नहीं है।

हमारे शास्त्र में गज एवं ग्राह की प्रार्थना आई है। दूसरा भ्रम यह है कि हमनें प्रार्थना में लम्बे-लम्बे एवं कठिन स्तोत्रों एवं दुरुह मंत्रों को प्राथमिकता दिया है, जबकि सत्य है कि देवी अस्पष्ट नाम उच्चारण से भी प्रसन्न होती हैं।

प्रार्थना माध्यम है ईश्वर से जुड़ने का। मनुष्य बिना ईश्वर के बिलकुल ही असहाय एवं अकेला है। ईश्वर इस संसार में सर्वत्र व्याप्त हैं।

ईशावास्यमिदं सर्व यत्किं च जगत्यां जगत
तेन त्यक्तेन भुजीथ्या मा गृधऋ स्विद्धनम्

ईशावास्यउपनिषद का यह सबसे पहला श्लोक यह कहता है कि ईश्वर सर्वत्र व्याप्त हैं। यह सारा संसार ईश्वर का है। हमे ईश्वर ने बनाया तब ईश्वर के साथ नहीं जुड़कर हम अपने आप को बहुत अधिक अकेला कर लिए हैं, क्योंकि तब आपने सभी क्रियाकलाप के लिए सफलता-असफलता के लिए हम स्वयं उत्तरदायी हैं।

ईश्वर की सत्ता को मानते ही हम पूर्णतया निश्चिन्त हो जाते हैं, क्योंकि ईश्वर है जो सब देख लेंगे। इस भरोसे से बड़ा कोई भरोसा हो सकता है क्या, लेकिन यदि हम ईशावास्य (हर चीज में परमात्मा का निवास है) इस सत्य की अनदेखी करें तब बस शरीर का भरोसा रहता है। परमात्मा से विश्वास हटा तब आत्मा की शक्ति कहां से मानेगें?

ईशावास्या उपनिषद् में आया ही है-

असुर्य्या नाम ते लोका अन्वेन तमसवृत्ताः
तास्ते प्रेत्यापि गच्छन्ति ये के चात्महनो जनाः

जो लोग आत्मा एवं परमात्मा की सत्ता को नहीं मानते हैं। वे घोर अंधकार रूपी अज्ञान से भरे हुए हैं। असुर्य्या नाम ही कहता है कि वहां सूर्य नहीं आता है। सूर्य को संसार का नेत्र उसकी आत्मा कहा गया है।

यदि आत्मा परमात्मा की शक्ति पर विश्वास ही नहीं होगा तब आत्मप्रगति संभव नहीं है।

प्रत्येक दिन प्रार्थना आत्म प्रगति का अवसर देता है। प्रार्थना का समय मांगों को सुनाने का नहीं, बल्कि प्रार्थना काल का उद्देश्य अपने मन को खाली करना है। यह भाव कि मैं कुछ हूं उसे ईश्वर के चरणों में डालकर निश्चिन्त होना है, जब मैं नहीं रहा तब ईश्वर है।

वैसे भी मनुष्य कितनी ही कोशिश करें उसके कार्य तो पूर्ण ईश्वर करते हैं। इस सत्य को रोज दुहराने का नाम प्रार्थना है।

प्रार्थनाएं हमारे अन्तर्मन से निकलनी चाहिए। पूर्ण आत्म भिव्यक्ति के रूप में। वे प्रार्थनाएं जो सच्ची और स्वाभाविक होती हैं, तुरन्त सुन ली जाती हैं। उधार ली हुई प्रार्थनाओं के सहारे जीवन नौका पार नहीं जा सकती है।

प्रार्थनाएं मन से फूटें। उनमें हमारे अंर्तमन का रस भरा होना चाहिए, जिस भाषा को तुम अच्छे से जानते हैं, उसमें प्रार्थना करें। यदि संस्कृत में प्रार्थना कह रहे तो हमें उन श्लोकों का अर्थ पता होना चाहिए। रट्टा मारकर प्रार्थना मत पढ़ो अर्थ जानो तब कहो।

प्रार्थना करना सिखाया नहीं जा सकता है, जैसे भूख लगती है, नींद आती है, उसी प्रकार प्रार्थना तब करो जब ईश्वर से, गुरु से बात करनी हो।

प्रभु प्रेम चाहते हैं, तुम्हारी प्रार्थना प्रेम से आपूरित होनी चाहिए, कई बार देखा है लोग मंदिर में खानापूर्ति के लिए जाते हैं। भगवान से मिलना, बात करना दिनभर का सबसे महत्वपूर्ण काम है। इस काम को नित्य निश्चित समय पर करने से पक्का रहता है। धीरे-धीरे प्रार्थना आपके अन्दर की दैवीय शक्ति को जाग्रत कर देगी। प्रार्थना जब करो तन्मयता से करो, ऐसा ना हो कि घंटी बजा रहे हैं एवं दिमाग में कैलकुलेशन चल रहा है। इस प्रकार की ढोंगी प्रार्थना से किसी का कल्याण नहीं होने वाला बस समय व्यर्थ किया जा रहा है।

बस आज से ही नित्य प्रार्थना प्रारम्भ कर दें और अपने जीवन क्रम दिन का सबसे बड़ा समर्पण भाव प्रार्थना कार्य अवश्य है।

ॐ असतो मा सद्गमय,
तमसो मा ज्योतिर्गमय मृत्योमार्मृतं गमय ।।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

जामुन- छोटे फल के बड़े-बड़े गुण, जानिए फायदे

जामुन एक ऐसा फल है जो न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। इसके नियमित सेवन से विभिन्न बीमारियों से बचाव और स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिलती है। प्राकृतिक औषधीय गुणों से युक्त यह फल हर उम्र के लोगों के लिए एक वरदान है। सेहत के लिए इसके क्या हैं खास फायदे, आइए जानते हैं-

1. मधुमेह नियंत्रण : जामुन का सबसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ मधुमेह रोगियों के लिए है। इसके बीजों में जंबोलिन नामक ग्लूकोसाइड होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह इन्सुलिन के उत्पादन को भी बढ़ावा देता है और शर्करा के अवशोषण को धीमा करता है।

2. पाचन तंत्र में सुधार : जामुन में फाइबर की उच्च मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में सहायक होती है। यह कब्ज को दूर करता है और पेट के अल्सर और गैस्ट्रिक समस्याओं से राहत दिलाता है। जामुन का सेवन पेट के कीड़ों को भी नष्ट करता है।

3. रक्तचाप और हृदय स्वास्थ्य : जामुन में पोटेशियम की मात्रा प्रचुर होती है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। यह हृदय को मजबूत बनाता है और रक्त वाहिकाओं की दीवारों को स्वस्थ रखता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण हृदय रोगों के जोखिम को कम करते हैं।

4. मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली : जामुन में विटामिन सी और ए की प्रचुरता होती है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं। यह शरीर को संक्रमणों से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है।

5. त्वचा और बालों को लाभ : जामुन का रस त्वचा पर लगाने से मुंहासे और अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बनाते हैं। बालों के लिए भी यह फायदेमंद है, क्योंकि यह बालों को मजबूत और घना बनाता है।

6. वजन घटाए : जामुन कम कैलोरी और उच्च फाइबर वाला फल है, जो वजन घटाने में सहायक होता है। यह पाचन को सुधारता है और अधिक खाने की इच्छा को कम करता है।

7. खून बढ़ाए : जामुन में आयरन की मात्रा होती है, जो एनीमिया से ग्रस्त लोगों के लिए बहुत लाभकारी है। यह रक्त की मात्रा को बढ़ाता है और शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है।

8. कैंसररोधी गुण : जामुन में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनोइड्स कैंसर के खतरे को कम करने में मदद करते हैं। यह शरीर में फ्री रेडिकल्स को नष्ट करते हैं और कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं।

9. मुंह और दांतों की समस्याएं : जामुन के पत्तों का उपयोग माउथवॉश के रूप में किया जा सकता है, जो दांतों और मसूड़ों की समस्याओं से राहत दिलाता है। यह मुंह के छालों को भी ठीक करता है और मुँह की दुर्गंध को दूर करता है।

10. हड्डियों के लिए फायदेमंद : जामुन में कैल्शियम और फास्फोरस की पर्याप्त मात्रा होती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से बचाते हैं।

- प्रस्तुति : विकास

वृक्षों से ग्रह-नक्षत्र में लाएं सकारात्मक बदलाव

ज्योतिषीय विश्लेषण

- बी. कृष्णा नारायण -

ज्योतिषशास्त्र रत्नों की चर्चा तो करता है पर रत्नों के नाम पर 'पत्थरों' की बात नहीं करता। ज्योतिषशास्त्र शुचिता, साधना और यथोचित मंत्र के द्वारा सिद्ध करके मणि निर्माण की बात करता है। इस प्रकार से मंत्र सिद्ध मणि एक मजबूत रक्षा कवच की तरह कार्य करते हैं। अथर्ववेद के अनुसार जो असाध्य रोग अन्य सामान्य उपचारों से ठीक नहीं हो रहे हैं, वे इन मंत्र सिद्ध मणियों के द्वारा ठीक हो जाते हैं। ये विभिन्न रोगों से मुक्त करके आरोग्य प्रदान तो करते ही हैं, साथ ही साथ शांति, उत्साह और प्रसन्नता की वृद्धि भी करते हैं। कहा गया है कि मंत्र अभिसिंचित मणि सूर्य के समान तेज को प्राप्त कर अपने ऊपर हुए घातक प्रभाव को हटा देते हैं।

इन मणियों को कई प्रकार से धारण किया जाता है। अंगुली में अंगूठी के रूप में, गले में ताबीज के रूप में, कलाई पर कंकण के रूप में आदि। कुछ रोग से मुक्ति के लिए इन जड़ों को पीसकर इन्हें जल में मिश्री के साथ मिलाकर पीने की सलाह भी दी जाती है या फिर किसी फल जैसे- केले में इसे डालकर निगल जाने की सलाह भी दी जाती है।

समस्त शारीरिक और मानसिक व्याधियों से मुक्ति के साथ जीवन में सुख संपत्ति आये, सभी प्रकार से हमारी रक्षा और कल्याण हो, इसके लिए हम इनके बारे में जानें और इन्हें मानें। बहुत मेहनत से कमाए गए धन को यूं ही रत्न के नाम पर बेचे जा रहे पत्थरों के पीछे जाया न करें।

वानस्पतिक, सामुद्रिक और खनिज तीन प्रकार की मणियों की चर्चा अथर्ववेद करता है। आज यहां बात वानस्पतिक मणि की।

ज्योतिष शास्त्र / वास्तु शास्त्र के अनुसार ग्रहों, राशियों, नक्षत्रों के अलावा दिशाओं के आधार पर वृक्षों की चर्चा की गयी है। शास्त्रों ने मनुष्य के साथ इनके अभिन्न संबंध की बात की है। जन्म नक्षत्र, जन्म राशि, जन्म लग्न के अनुसार वृक्षों की चर्चा तो है ही, हमारे शरीर के प्रत्येक अवयवों के संदर्भ में इनकी चर्चा है।

वृक्षारोपण के माध्यम से अपने ग्रह, नक्षत्र, राशि को पोषित करते हुए हम स्वयं के भीतर और बाहर सकारात्मक परिवर्तन के वास्तुकार बन जाते हैं। वृक्ष हमें न केवल छाया प्रदान करती हैं, बल्कि ये हमारे भीतर सकारात्मक परिवर्तन के लिए एक शक्तिशाली शक्ति का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। एक जगह चुपचाप खड़े रहकर भी वृक्ष किस प्रकार हमारे जीवन में एक सुपर हीरो की भूमिका अदा करता है, इसे जानें।

प्रकाश संश्लेषण के बारे में हम सब जानते हैं। प्रकाश संश्लेषण वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा पौधों के हरे भाग (पत्तियां) सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में CO_2 और जल से काबोर्हाइड्रेट के रूप में कार्बनिक भोजन का संश्लेषण करते हैं। इस रासायनिक प्रक्रिया के बाइप्रोडक्ट के रूप में ऑक्सीजन का

निर्माण ही नहीं होता, बल्कि पेड़ों द्वारा वातावरण में इसे छोड़ा भी जाता है। कहते हैं, एक बड़े पीपल वृक्ष से एक दिन में चार मनुष्यों के ऑक्सीजन की पूर्ति होती है। तो हुए न ये प्राणरक्षक सुपर हीरो।

ग्रहों के अनुसार वृक्ष और उनकी दिशा :

सूर्य- आक, मदार, मध्य भाग, चंद्र- ढाक, पलाश, टेसू, दक्षिणपूर्व दिशा, मंगल- कत्था, खैर, दक्षिण दिशा, बुध- चिरचिरी (अपामार्ग), उत्तर दिशा, बृहस्पति- पीपल, उत्तर पूर्व दिशा, शुक्र- गूलर, अंजीर, पूर्व दिशा, शनि- शमी, पश्चिम दिशा, राहु- दूब, दक्षिण पश्चिम दिशा, केतु- दूर्वा घास, उत्तरपश्चिम।

राशि और वृक्ष :

मेष- रक्त चन्दन, वृषभ- सप्तपर्णी, मिथुन- कटहल, कर्क- पलाश, सिंह- बेर, कन्या- आम, तुला- बकुल, वृश्चिक- खैर, धनु- पीपल, मकर- शीशम, कुंभ- शमी, मीन- बरगद।

नक्षत्रों के आधार पर वृक्षः

इसी तरह से नक्षत्रों के आधार पर भी इनकी चर्चा है। जैसे अश्विनी के लिए कुचला, कजारा, भरणी नक्षत्र के लिए आँवला, कृतिका के लिए गूलर, रोहिणी के लिए जामुन, मृगशिरा के लिए खैर, आर्द्रा के लिए सीसम, कृष्ण कमल, पुनर्वसु के लिए बांस, पुष्य के लिए पीपल, अश्लेषा के लिए नागकेसर, मघा के लिए बरगद (वट वृक्ष), पूर्व फाल्गुनी के लिए अशोक, उत्तर फाल्गुनी के लिए पाकर और शमी, हस्त के लिए चमेली, चित्र के लिए बेल, स्वाति के लिए अर्जुन, विशाखा के लिए हरसिंगार और नागकेसर, अनुराधा के लिए मौलसिरी, ज्येष्ठा के लिए नीम, मूल के लिए साल और बेल, पूर्व आषाढ़ के लिए बेंत और अशोक, उत्तर आषाढ़ के लिए कटहल, श्रवण के लिए अकवन, नारियल, अशोक, धनिष्ठा के लिए शमी, शतभिषा के लिए कदंब पूर्व भाद्रपद के लिए आम, उत्तर भाद्रपद के लिए आम, नीम, रेवती के लिए महुआ।

भिन्न भिन्न शारीरिक और मानसिक व्याधियों के इलाज के लिए भिन्न-भिन्न पौधों और पेड़ों की जड़, फूल, छाल और पत्तों के द्वारा की जाने की बात की गयी है। इनमें से कुछ निम्नांकित हैं-

मस्तिष्क- ब्राह्मी, शंखपुष्पी, बाल- भृंगराज, नीम, हृदय- अर्जुन, तुलसी, त्वचा- एलोवेरा, नीम, नेत्र- हरड़, बहेरा, आँवला, गाजर, गला- मुलेठी, फेफड़े- गम्हारी, किडनी- पुनर्नवा, अंगूर, पित्ताशय- गुडहल, लिवर- भूमि आँवला, पपीता, अग्न्याशय- कालमेघ, शकरकंद, धमनियां- नीम, पीपल, शीशम, मूत्राशय- पलाश, गोखरू, घुटना- हरसिंगार (पारिजात), गर्भाशय- अशोक, शक्ति- अश्वगंधा, सहनशक्ति- शतावरी, प्रतिरक्षा- गुडुची, पाचन- अदरक, चयापचय- नारियल, प्रोस्टेट- टमाटर, लाल रक्त कणिकाएं - अनार, मांसपेशियां और जोड़- सहजन (मोरिंगा)।

राशि और नक्षत्र के अनुसार वृक्षारोपण से जीवन में सुख और संपत्ति आये, इस विचार से तो किया ही जाता है, साथ ही साथ, इन वृक्षों की जड़ को मणि की तरह धारण भी किया जाता है। आज जहां रत्नों के नाम पर खुला व्यापार चल रहा है। रत्न के नाम पर पत्थरों द्वारा व्यक्ति के भाग्य को बदलने का ठेका लिया जा रहा है, वहां इन वृक्षों के बारे में जानना अत्यंत आवश्यक हो जाता है। एक बार क्यों न हम इनकी तरफ देखें, इनकी तरफ लौटें। सूर्य ग्रह के लिए अपने घर के पास आक और मदार का वृक्ष लगाएं। शनि के लिए शमी का वृक्ष लगाएं। इसी तरह अन्य ग्रहों के अनुसार वृक्ष निर्धारित दिशा में लगाएं। इससे शारीरिक और मानसिक दोनों पुष्टि प्राप्त होगी। शांति, उत्साह और प्रसन्नता की वृद्धि होगी।

लगाते वक़्त कुछ बातों का ध्यान रखें- विशाल वृक्ष को घर के समीप न लगाएं। इनकी जड़ घर की नींव को क्षति पहुंचा सकती है।

हमारे पूर्वज बहुत अच्छे से सह-अस्तित्व को समझते थे। इनमें से कुछ वृक्षों के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो गया है। इनके अस्तित्व पर संकट का मतलब हमारे अस्तित्व के भी संकट से है। तो क्यों न इस बरसात में अपनी-अपनी राशि और नक्षत्रों के अनुसार एवं कुंडली के कमजोर ग्रहों को बल प्रदान करने के लिए उनके अनुसार कम से कम पांच वृक्ष अवश्य लगाएं। इसके लिए सामूहिक प्रयास और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से इनके संरक्षण के लिए हर संभव उपयुक्त कदम उठाये जाने चाहिए, क्योंकि ये हैं तो हम हैं।

उमरिया होवे से की, भूख तो भूख हय

सत्यकथा

-'दीदी, मैं खुद सतावन-अठावन की हो रही हूँ, मुझसे झाड़ू-पोछा नहीं होता, फिर आप तो मुझसे दस वर्ष बड़ी लग रही हैं। आप क्या काम कर पाएंगी?'

-'बहिन, एकबार काम कराके देखतिन। बड़ी सफाई से काम करबो। तनि समय जरूर लगा है काम ओरियावे में पर...।' बोलते-बोलते महिला की आँखें डबडबा गईं।

-'साठ साल में सरकार भी रिटायर कर देती है। आप से काम कराकर हम अपने ऊपर पाप नहीं चढ़ाएंगे। आप जाइए। हम दूसरी आया देख लेंगे।'

-'बहिन, हमरा काम नञ देवे से पाप लगतो। बड़ी आस लेके अयली हे, हमर काम तो देखा।'

-'झाड़ू-पोछा बरतन ही नहीं, डस्टिंग भी करनी होती है।' रुक्मिणी समझ न पा रही थी, उसे कैसे मना करे। देखने में किसी संभ्रांत परिवार की लग रही थी वह। सत्तर से एक-दो साल ही कम होगी। लंबाई पाँच-दो या तीन होगी। दुधिया रंग। चेहरे पर गजब की आभा। कौन कहता है, बुढ़ापे में सुंदरता दब जाती है। जिसके मन-कर्म-वचन अच्छे हों, उम्र उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाती, एक अलग ही आभा प्रदान करने लगती है।

-'कपड़ा भी धो सका हो। बड़ी मजबूरी हय। अपने ब्राह्मण ही, यही सुन के अयली हे। नैहरा ससुराल से हम्में भी ब्राह्मण कुल के हिओ। अपने के जूठा-सखरी धोवे से हम्मर धरम बचल रहतो। निराश नञ करहो बेटी।'

-'आप तो गले पड़ती जा रही हैं। अभी आप जाइए। मेरे पास समय नहीं है आपसे माथापच्ची करने की। मुझे खाना बनाना है, लंच का टाइम हो गया है। मेरे पतिदेव शुगर के पेसेन्ट हैं, उन्हें समय पर खाना देना होता है। क्या करना है, मैं सेक्योरिटी से कहला दूँगी।'

-'आज हम्मर हाथ के बनवल भोजन के स्वाद लेथिन, फिन अपने के जे इच्छा। बड़ी कम तेल-मसाला में भोजन बनवा हीं।'

रुक्मिणी समझ गई, यह महिला टस से मस न होगी। ज्यादा बकझक करने से उचित लगा, उसे रसोई दिखाना। हृदय के किसी कोने में दया का बीज पनप चुका था। कैसा रसोई बनाती है, फिर पति से राय-सलाह ले, जो सही होगा, सो किया जाएगा। ऐसा विचार कर वह बेडरूम में आ गई। थोड़ी देर में सोसायटी की मीटिंग खत्म कर पतिदेव भी आ गए। तेल-मसाला कम होते हुए भी महिला के पकाए भोजन में बहुत स्वाद था। रसोई भी साफ-सुथरी सिमटी हुई थी। रुक्मिणी उसे भोजन दे, जब तक पति से उसके विषय में कोई निर्णय लेती, उसने सारे बरतन धुल दिए। महिला ने, न कहने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। अपने सामने सोफे पर बैठाकर रुक्मिणी बोली, 'कितना महीना लेंगी? छुट्टी तो नहीं करेंगी? अगर छुट्टी करनी है तो पहले बताना होगा। आधार कार्ड का फोटो कॉपी भी देना होगा।'

-'हम्मर नाम पावनी हय। घर पलामू जिला में पड़तो। हमरा पास मोबाइल नञ हे। ई हम्मर आधार कार्ड के फोटो कॉपी।' अपने ब्लाउज से फोटो कॉपी निकाल, उसने रुक्मिणी की ओर बढ़ा दिया।

-'आप पलामू की हैं तो इधर कैसे आना हुआ? कोई संतान नहीं है क्या, जो आपकी देख-भाल करे।'

-'हय, चार गो बच्चा हथिन। दू बेटा, दू बेटी। सब बाल-बच्चेदार। दुन्नो बेटी लखनऊ में हय। गाँव में बड़ी मनि खेत-पथार हय, बड़का गो घर हय।'

-'क्या हुआ? जो अपना गाँव छोड़ आईं।'

-'पति बड़ी शराब पिया हलथिन, दुन्नू किडनी फेल, छोड़ के चल गेलन। बाप बिना बेटा पढ़ाई-लिखाई से दुश्मनी कर लेलक। खेत बेच के दुनहूँ के टेंपू खरीद देली। खेतवे से बेटी ब्याहली।' आपबीती सुनाते-सुनाते पावनी का कंठ अवरुद्ध हो गया। रुक्मिणी ने उसकी ओर पानी का गिलास बढ़ा दिया। कुछ देर रुककर वह फिर बोली, 'अब बेटा के बटवारा चाही। सब्भे जमीं-जायदाद बेच के भागलपुर में घर बनवे के चाहा हय। हम्में मना कैली, अप्पन जीते-जी कैसे बटवारा करती हल। रोज किचकिच से घर गेंधाय लगलो। एक रात बाथ रूम जाय ला उठली, ता दुनहूँ बेटा के बतियैते सुनली,-'देख छोटका, माय के रहते बटवारा मुश्किल हव, सुतला में तू ओकर मुँह दाबिहें, हम्में हाथ के नस काट देबो। बिहान हल्ला मचावे के कि गोसा में माय अप्पन नस काट लेलक।' न रहतो बांस, न बजतो बाँसुरी।'

-'बढ़िया बुद्धि देलहो दद्दा। अखनि रात के दस बज रहलों हे। दू बजे शुभ काम निपटा देवे के।'

उनखर बतिया सुन के, हम्मर होश उड़ गेलय बहिन। बाथरूम न गेली। अंदर से दरवाजा बंद कर सुते के नाटक कैली। आधी रात के दू बेरी दरवाजा खोलवाबे ला पीटलक। हम्में चूं-चां भी नञ कैलिओ। भोर फटला से पहले अप्पन जरूरी सामान ले के निकल गेली। दू-दू दिन दुनहूँ बेटी ही रहली। एक दिन बेटी भी ससुराल के दुहाई देवे लगल। बेटी के काम वाली के माय साथ हम पटना चल अयली। एक रूम के किराया में रहा हथिन। हमरा पैसवा मिलतय तो आधा किराया हम भी दे देबै। अपने के घर आवे से पहले दू घर घुमली। दुन्नू घर मांस-मछरी वाला है। हम्मे बचपन से शाकाहारी हिओ। तोर घर के बारे में सुनली ता लगलय मंदिर मिल गेलय।'

-'आपकी कहानी बहुत दर्दनाक है। आपको रखने में आपकी उम्र से डर लगता है।'

-'बेटी, उमरिया होवे से का, भूख तो भूख है। भूख कभी बदलतो हे। कोई उमर होबे, पेट तो भरे पड़ा है।'

रुक्मिणी बोली, 'ठीक है दीदी, आप कल से आइए काम पर।'

- डॉ.सविता मिश्रा मागधी -
बेंगलुरू

पेज- 1 का शेष

अतिक्रमणकारियों में...

'हमारा अभियान शांतिपूर्ण' : लाठीचार्ज के बावत कर्नल शेखावत ने कहा कि कोई दुकानदार की पिटाई नहीं हुई। दो-तीन लोग उत्तेजित होकर खुद मारपीट पर आमादा दिख रहे थे। उन्होंने दारू पी रखी थी। उन्होंने महिला होमगार्ड को घर में घुसकर मारने और वर्दी उतरवा देने की धमकी दी थी। इस पर कार्रवाई करनी पड़ी। वरना हम तो शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम कर रहे थे। जो लोग जबरन कब्जा कर पूरा कचरा फैला रहे, वो हमारे काम में बाधा डाल रहे थे। अब कानूनी स्तर पर उनके विरुद्ध काम होगा। उनका क्रिमिनल रिकॉर्ड भी रहा है।

पिछले माह लेक रेस्टोरेंट में हुई थी बड़ी कार्रवाई

बीएसएल के सुरक्षाकर्मियों ने कर्नल शेखावत के नेतृत्व में विगत माह सिटी पार्क स्थित डेफोडिल्स फूड्स (लेक रेस्टोरेंट) के एक बड़े हिस्से को तोड़ दिया था। इससे पहले बीएसएल प्रबंधन ने अवैध निर्माण हटाने की चेतावनी भी दी थी, लेकिन संचालक द्वारा नहीं हटाने पर तोड़ दिया गया। हालांकि, होटल संचालक ने उक्त कार्रवाई को गलत बताया था। उनका तर्क था कि उन्हें बीएसएल ने ही लीज पर दिया है। एग्रीमेंट में लिखा है कि होटल के अंदर रखरखाव व मरम्मत का काम उन्हें ही करवाना है। कर्नल बगैर नोटिस के आए और तोड़कर चले गए। बीते हफ्ते नया मोड़ स्थित वेस्टर्न फार्म में भी तोड़फोड़ हुई।

भद्रावती से खास तौर से बुलाए गए कर्नल : बोकारो में सुरक्षा विभाग का जिम्मा देने के लिए कर्नल आरके शेखावत को खास तौर से सेल की भद्रावती इकाई से बीएसएल में स्थानांतरित किया गया है। कर्नल का कहना है कि उन्होंने सेना में रहते खूब गोली-बंदूक देखी है। उन्हें किसी का कोई खौफ नहीं है। हालांकि, उन्होंने बोकारो में अपने तबादले को एक साजिश बताई है और प्रबंधन के इस फैसले को चुनौती दे रहे हैं।

29,400 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण , बोले पीएम मोदी-

मुंबई को बनाएंगे दुनिया की फिनटेक राजधानी

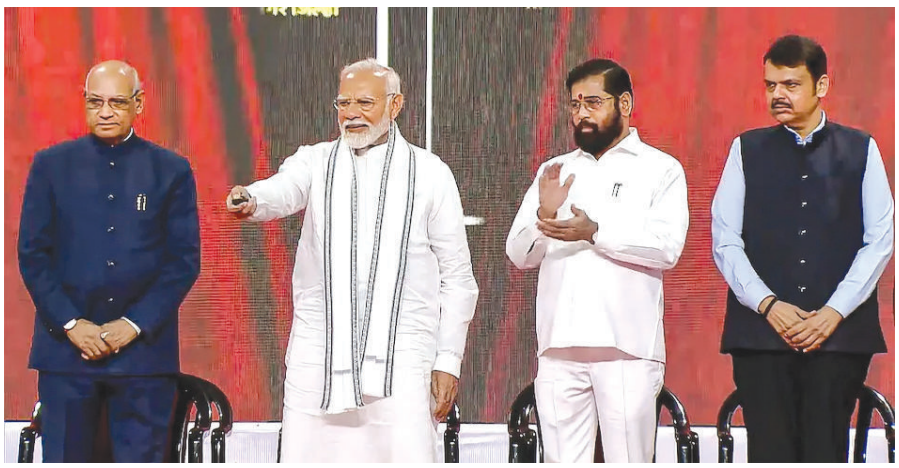

विशेष संवाददाता

मुंबई : महाराष्ट्र के पास एक गौरवशाली इतिहास, एक सशक्त वर्तमान और एक समृद्ध भविष्य के सपने हैं। भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में महाराष्ट्र राज्य की भूमिका अहम है। उद्योग, कृषि और वित्त क्षेत्र की शक्ति ने मुंबई को देश का वित्तीय केंद्र बनाया है। मेरा लक्ष्य महाराष्ट्र की शक्ति का उपयोग करके इसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति में बदलना है; मुंबई को दुनिया की फिनटेक राजधानी बनाना है। ये बातें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के मुंबई में सड़क, रेलवे और बंदरगाह क्षेत्र से जुड़ी 29,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण समारोह में कहीं।

प्रधानमंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुंबई और आस-पास के क्षेत्रों के बीच सड़क और रेल संपर्क को बेहतर बनाने के लिए 29,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई परियोजनाओं की आधारशिला रखने और उन्हें समर्पित करने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने महाराष्ट्र के युवाओं के लिए एक बड़ी कौशल विकास परियोजना के बारे में भी बात की, जिससे राज्य में रोजगार के अवसरों को और बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने वधावन बंदरगाह के बारे में चर्चा की, जिसे हाल ही में केंद्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान की है। उन्होंने कहा, ''76,000 करोड़ रुपये की यह परियोजना 10 लाख से अधिक रोजगार का सृजन करेगी।''

पिछले एक महीने में मुंबई में निवेशकों के मूड को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा कि छोटे और बड़े दोनों निवेशकों ने सरकार के तीसरे कार्यकाल का उत्साहपूर्वक स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि स्थिर सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में तिगुनी गति से काम करेगी। श्री मोदी ने महाराष्ट्र के शिवाजी महाराज के शानदार किलों, कोंकण तटरेखा और सह्याद्री पर्वत श्रृंखला पर प्रकाश डालते हुए महाराष्ट्र के पर्यटन में शीर्ष स्थान हासिल करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने चिकित्सा पर्यटन और सम्मेलन पर्यटन में राज्य की क्षमता के बारे में भी बात की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, ''महाराष्ट्र भारत में विकास का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है और हम इसके सहयात्री हैं।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि आज का कार्यक्रम ऐसे संकल्पों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता है।

21वीं सदी में भारतीय नागरिकों की उच्च आकांक्षाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अगले 25 वर्षों में विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प को दोहराया। उन्होंने इस यात्रा में मुंबई और महाराष्ट्र की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि मुंबई और महाराष्ट्र में सभी के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़े। हम मुंबई के आस-पास के इलाकों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने तटीय सड़क और अटल सेतु के पूरा होने का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि लगभग 20 हजार वाहन रोजाना अटल सेतु का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे अनुमानित 20-25 लाख रुपये का ईंधन बच रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई में मेट्रो प्रणाली तेजी से विकसित हो रही है, क्योंकि मेट्रो लाइन की लंबाई एक दशक पहले के 8 किलोमीटर से बढ़कर आज 80 किलोमीटर हो गई है और 200 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क पर काम चल रहा है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और नागपुर स्टेशन के पुनर्विकास का जिक्र करते हुए कहा, 'भारतीय रेलवे के बदलाव से मुंबई और महाराष्ट्र को बड़ा फायदा हो रहा है।' उन्होंने कहा, "आज छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और लोकमान्य तिलक स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म राष्ट्र को समर्पित किए गए, जिससे 24 कोच लंबी ट्रेनें वहां से चल सकेंगी।"

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में महाराष्ट्र में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई तीन गुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि गोरेगांव मुलुंड लिंक रोड (जीएमएलआर) परियोजना प्रकृति और प्रगति का एक बेहतरीन उदाहरण है। ठाणे बोरीवली ट्विन टनल परियोजना से ठाणे और बोरीवली के बीच की दूरी कुछ मिनटों तक सीमित हो जाएगी। प्रधानमंत्री ने देश के तीर्थ स्थलों को विकसित करने के साथ-साथ यात्रा को आसान बनाने और तीर्थयात्रियों के लिए सेवाओं का विस्तार करने के सरकार के प्रयास को दोहराया। उन्होंने कहा कि पंढरपुर वारी में लाखों तीर्थयात्री भाग ले रहे हैं और तीर्थयात्रियों की यात्रा को आसान बनाने के लिए लगभग 200 किलोमीटर लंबे संत ज्ञानेश्वर पालकी मार्ग और लगभग 110 किलोमीटर लंबे संत तुकाराम पालकी मार्ग के निर्माण के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि ये दोनों सड़कें जल्द ही चालू हो जाएंगी।

श्री मोदी ने कहा कि यह कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर्यटन, कृषि और उद्योग में मदद कर रहा है, रोजगार में सुधार कर रहा है और महिलाओं के लिए आराम की सुविधा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा, 'एनडीए सरकार के ये कार्य गरीबों, किसानों, महिला शक्ति और युवा शक्ति को सशक्त बना रहे हैं।' उन्होंने 10 लाख युवाओं को कौशल प्रदान करने और मुख्यमंत्री युवा कार्यक्रम प्रशिक्षण योजना के तहत छात्रवृत्ति जैसी पहलों के लिए डबल इंजन सरकार की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा, 'कौशल विकास और बड़ी संख्या में रोजगार भारत में समय की जरूरत है।' उन्होंने कोविड महामारी के बावजूद पिछले 4-5 वर्षों में भारत में रिकॉर्ड रोजगार सृजन पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रोजगार पर हाल ही में जारी विस्तृत रिपोर्ट पर प्रकाश डाला और बताया कि पिछले 3-4 वर्षों में लगभग 8 करोड़ रोजगार के अवसर तैयार हुए हैं, जिससे आलोचकों का मुंह बंद हो गया है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से भारत के विकास के खिलाफ फैलाई जा रही झूठी कहानियों से सतर्क रहने को भी कहा। उन्होंने कहा कि जब पुल बनते हैं, रेलवे ट्रैक बिछाए जाते हैं, सड़कें बनती हैं और लोकल ट्रेनें बनती हैं तो रोजगार पैदा होता है। उन्होंने कहा कि देश में रोजगार की दर सीधे बुनियादी ढांचे के विकास के समानुपाती है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, 'एनडीए सरकार के विकास का मॉडल वंचितों को वरीयता देने का रहा है।' उन्होंने नई सरकार के पहले फैसले का जिक्र किया जिसमें गरीबों के लिए 3 करोड़ घर बनाने का फैसला किया गया। 4 करोड़ परिवारों को पहले ही घर मिल चुके हैं। महाराष्ट्र में लाखों दलितों और वंचितों को भी आवास योजना का लाभ मिला है। उन्होंने कहा, 'हम शहरों में रहने वाले गरीबों और मध्यम वर्ग दोनों के लिए घर के मालिक होने के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

उन्होंने रेहड़ी-पटरी वालों के जीवन में गरिमा बहाल करने में स्वनिधि योजना की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत लगभग 90 लाख ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें महाराष्ट्र में 13 लाख और मुंबई में 1.5 लाख शामिल हैं। उन्होंने एक अध्ययन का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि इस योजना के परिणामस्वरूप इन विक्रेताओं की आय में 2 हजार रुपये मासिक की वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री ने स्वनिधि योजना की विशेषताएं बताईं। इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस और अजीत पवार, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले के साथ-साथ अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित
विश्व-प्रसिद्ध एक्यूपंक्चर स्पाइन विशेषज्ञ

Dr. Rajendra Kumar Hazra
M.D. Acupuncture, PHD Acupunchure Science
The American University USA (H.C.)
PHD Acupuncture & Spinal Diseases
M.B.I.U, Indore(H.C.)
ETP. MCA. Cama & Albess Hospital (Mumbai)
मिलने का समय : 9 AM TO 2 PM - 4 AM TO 7 PM
केवल पहले एपोईन्टमेन्ट लेने पर ही मरीज देखा जाएगा।
9771830188 / 7903113893

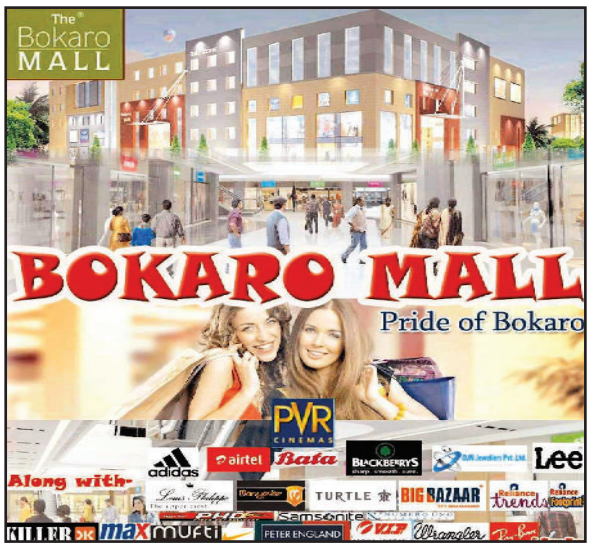

शिवम हॉस्पीटल
मेडिक्लेम कार्ड के द्वारा
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है

E-2, Laxmi Market, Sector-4, B.S. City-827004
Ph No. : 06542-232623, 7488090631

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)